कुमार उत्पल के विषय में
विभिन्न राष्ट्रीय समाचार पत्रों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट

हिन्दुस्तान

पटना, ०२ दिसम्बर, २००५

कम्प्यूटर साक्षरता के प्रति समर्पित व्यक्ति

पटना। आज के दिन उस व्यक्ति की चर्चा करना बहुत जरूरी है जो अपने जीवन को कम्प्यूटर साक्षरता हेतु समर्पित कर चुका है वह शक्स है – कुमार उत्पल। इनकी अपनी प्रखर लेखनी क्षमता के कारण ही इन्होंने अब तक बीस कम्प्यूटर किताबें लिख चुके हैं जो ट्रस्ट के द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध है । ये सभी किताबें सरल और स्पष्ट भाषा और क्रमबद्ध कार्य प्रणाली में वर्णित है जिसे एक सामान्य आदमी भी पढ़कर समझ सकता है । सूचना तकनीक को जनसामान्य तक पहुँचाने हेतु इन्होंने 'आई टी सूचना ब्यूरो' जो ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित होती है जिसका लेखन भार और सम्पादकीय कार्य लिया है । यह ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क वितरण किया जाता है । ये नवीन तकनीकी विषयों यथा ईगर्वनेंश, टेलिमेडिसिन, कॉल-सेंटर, ई-कॉमर्स, मल्टीमीडिया इत्यादि पर आठ वर्षों से लगातार लिख रहे हैं । पूरे बिहार को सूचना तकनीक से अवगत कराने हेतु इन्होंने अभी तक बीस से अधिक बिहार के प्रमुख स्थलों पर सेमिनार, कार्यशाला, संगोष्ठी इत्यादि में भाग ले चुके हैं । पूरे बिहार में कम्प्यूटर साक्षरता के फैलाने में हर तरह के उपायों का उपयोग किया है जिससे अब लोगों की तकनीकी पहलुओं की जानकारी होने लगी है । इनके जीवन का मूल मंत्र है-

''जन-जन तक तकनीकी शिक्षा पहुँचानी है ।''
''घर-घर में स्वरोजगार का दीप जलाना है ।''

आज

पटना, २४ अगस्त, २००४

पटना। कुमार उत्पल द्वारा आई0टी0 पर लिखी बीस किताब के विषय में विशद चर्चा की गई। इनके द्वारा पर्यावरण सुधार हेतु वृक्षारोपण, सेमिनार और संगोष्ठि कर बिहार वासियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता पैदा कर स्वच्छ बिहार बनाने का अहम प्रयास किया है। इससे पूर्व इनकी इसी प्रतिभा के कारण ''आई0टी0 रत्न'' अवार्ड मिल चुका है

दैनिक जागरण
२३ जुलाई, २००४

एक उल्लेखनीय नाम कुमार उत्पल का है जो आई०टी० रत्न है । ये अनेक पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से कम्प्यूटर संबंधित विषयों पर आठ वर्षो से लिखते आ रहे हैं। इन्होंने बीस से भी अधिक कम्प्यूटर किताब लिख चुके हैं । जो छात्रों के लिये निःशुल्क उपलब्ध है । ये पन्द्रह से अधिक बिहार के प्रमुख स्थलों पर सेमिनार कर चुके हैं ।

Hindustan Times
Patna, 22 May, 2005
Dedicated to Social Service

Patna. Kumar Utpal who is an IT-ian. He has been writing on computer and allied affairs for the last eight years in various magzines.

Hindustan Times
Patna, 3 December, 2005

Patna. Mr. Kumar Utpal has written twenty books on computer, such as - MS-Windows, MS- Word, MS-Excel, MS-Powerpoint, MS-Access, C, C++, HTML, DHTML, VB Script, Java Script, Flash, GIF Animator, Corel Draw, Photoshop, MS-DOS, Unix, Java, Internet, Multimedia, Pagemaker. All the above mentioned book are published by the Trust for free distribution among needy students.

Trust has given additional charge for the post of Editor to him for publishing an IT Magazine, i.e. "IT Suchana Bureau" for awakening to general people towards information technology. He has written many articles on IT for last eight years in various newspaper, magazines, etc. He has taught computer to more than five thousand students and more than six hundred employee of different offices like bank, railway, secretariat, college teaching and non-teaching staff, etc. Many organisations have awarded him for great service towards computer literacy, viz. "IT RATNA", "IT GURU", "IT CHURANT", etc.

पाटलिपुत्र एक्सप्रेस

बहुआयामी प्रेरक कम्प्यूटरविंद-कुमार उत्पल

प्रख्यात कम्प्यूटरविंद, साहित्यिक चिंतक समाजसेवी एवं कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग की त्रिवेणी के पयार्य रहे कुमार उत्पल, जिनकी ओज और औदार्य से सभी भलिभाँति सुपरिचित है।

इन्होंने बिहार के गाँव और गरीब लोगों को कम्प्यूटर तकनीक से रू-ब-रू कराने हेतु कटिली-पथरीली राहों पर चलकर रूखी-सुखी रोटी को ग्रहण करते हुये चिलचिलाती धूप, बाढ़ की विभिषिका और कपकपाती सर्द को हँसते हुये “गाँव-गरीब कम्प्यूटर साक्षरता रथ” को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और “कम्प्यूटर शिक्षा घर पर ” (ब्वउचनजमत म्कनबंजपवद ंज क्ववत) का जोरदार नारा बुलंद किया।

एक शिक्षाविद् परिवार में जन्म लेने के बावजूद इन्होंने कड़ी मेहनत और लगन के साथ-साथ अखंड धैर्य का परिचय देते हुये अपने कर्म-पथ पर अग्रसर रहे हैं। इन्होंने अपने सुदीर्घ अनुभवों को विद्यार्थियों तक पहुँचाने हेतु बाईस (२२) कम्प्यूटर किताबों का लेखन कार्य कर चुके हैं जिसमें अधिकतर किताब प्रकाशित है जिसमें प्रमुख निम्न है:-कम्प्यूटर फण्डामेंटल, एमएस डॉस, एमएस विण्डोज, एमएस वर्ड, एमएस पावर प्वायंट, एमएस ऐक्सेस, एमएस ऐक्सेल, इंटरनेट, एच.टी.एम.एल., डी.एच.टी.एम.एल., पेजमेकर, कोरल ड्रा, फोटोशॉप, सी, सी, भी.वी., यूनिक्स, मल्टीमीडिया, भी.वी. स्क्रिप्ट, फ्लैश, फ्रंटपेज, जावा, कम्प्यूटर चालिसा, इत्यादि।

इनकी लेखों की वैविध्यता और निरंतरता ने बिहार की शैक्षणिक माहौल को और भी पुख्ता किया है। ये विज्ञान, तकनीकी विशेषकर कम्प्यूटर और साहित्यिक लेखों को अनेक पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर खासकर स्तंभकार के रूप में लिखते रहे हैं।

ये बहुभाषाविद् होते हुये भी मानवीय संवेदना को सहज ओर सरल रूप में भाँप लेते हैं जिसके परिणामस्वरूप एक आम आदमी से लेकर डाक्टर, इंजीनियर, प्राध्यापक, वकील, पुलिस अधिकारी (आई॰पी॰एस॰), भारतीय प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी (आई.ए.एस.) भारतीय वन सेवा के पदाधिकारी (आई.एफ.एस.), रेल कर्मचारी, हाईकोर्ट कर्मचारी, सचिवालय कर्मचारी, प्रेस कर्मचारी और नेतागण (मंत्री व मुख्य मंत्री स्तर तक) को बखुबी कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया है।

पूरे बिहार के लोगों को कम्प्यूटर के प्रति रूझान पैदा करने तथा बच्चों के विभिन्न विषयों के प्रश्नों को निदान करने हेतु अभी तक सौ से अधिक सेमिनार, संगोष्ठि और कार्यशाला के प्रखर वक्ता के रूप जाने जाते रहे हैं।

नित नये खोजों और प्रयोगों से भरा-परा कम्प्यूटर विषयों को विद्यार्थियों तक सूक्ष्म विश्लेषण परक बनाते हुये दो कम्प्यूटर पत्रिका -आईटी सूचना ब्यूरो और कम्प्यूटर हलचल जैसी शोधपरक पत्रिका का संपादक कार्य अनेक वर्षों से करते आ रहे हैं।

इनकी कुशल दूरदृष्टि वाली सूझ-बूझ की नीति का ही परिणाम है कि आज सैकड़ों कम्प्यूटर केन्द्रों वाला सर्व कम्प्यूटर और प्रबंधन शिक्षा बन चुका है। इन्होंने जिस कार्य को अपने हाथों लिया उसको सफलतापूर्वक ~~ऊँचाईयाँ~~ प्रदान की है। इन्होंने पारस के स्पर्श से लोहे को भी स्वर्ण बनाने की कहावत को चरितार्थ किया है।

अल्पवय में ही उनकी कालजयी काव्य कृतियाँ कालांन्तर में और भी प्रभावोत्पादक महसूस किया जायेगा, जब इंसान पूर्णरूपेण मशीन बन गया होगा और एक तिसादी तहफ्फुज की बाड़ लगाने में मशगूल होगा।

शिक्षा और संस्कृति के विभिन्न आयामों को बड़ी बारीकी से आमलोगों के बीच ले जाने का अहम किरदार की भूमिका वर्षों स
कर रहे हैं जो शीर्ष संस्कृति पुरूष की विशाल अर्थवत्ता को संपुष्टि करती है।

ये प्रभृति विद्वान होते हुये भी अधिक वैज्ञानिक (ैबपमदजपपिब तंजपवदंस) और अधिक मानवीय दृष्टिगोचर होते हैं। ये नवांकुरों में जीवनोत्कर्ष की भावना और जिंदगी के तरानों को नये सुरों में छेड़ा है, जिसकी स्वर लहरियां हर थपक में एक सर्जनात्मक धमक पैदा किया है। प्रचलित हर रूढ़ियों खासकर अशिक्षा पर स्नेह की दुलारती-पुचकारती मैल को साफ करते आगे बढ़ाते जाते हैं रूकते नहीं जिससे सड़न पैदा नहीं होता बल्कि अवाध गति से बढ़ता चला जाता है।

ये समाज केंद्रित होकर जीते रहे हैं जिसमें अपने आपको बीज के रूप में बो दिया और लोगों में ऊर्जा, स्फूर्ति, समर्पण के भावों और संस्कारों को संचरण किया। ये सही में शलाका पुरूष और युगंकर हैं। वैसे ये गाहे-बे-गाहे पर्यावरण को अगजगरी पाश से छुटकारा हेतु प्रयत्नशील रहते हैं।

राष्ट्रीय सहारा

१६ दिसम्बर २००७

बहुमुखी प्रतिभा के धनी- कुमार उत्पल

वाल्मिकी की तपोभूमि, गाँधी की कर्मभूमि, बुद्ध और महावीर की ज्ञान भूमि, चन्द्रगुप्त की रणभूमि, चरक और सूश्रुत की आरोग्य भूमि, आर्यभट् की सूत्र भूमि, कालीदास की प्रेमभूमि तथा माँ सीता की जन्मभूमि का यह रत्न जिसने एक साथ साहित्य, समाजसेवा और कम्प्यूटर साक्षरता को जीवन का मुख्य उद्देश्य बना लिया है। इसकी सफलता हेतु कठोर निर्णय लिया है तथा इसको जुनून माना, उत्साह के साथ समर्पण किया है। समाजिक सरकारों की वेदी पर भोग विलास की आहुति की है, संघर्षों को अपनाने की भीष्म प्रतिज्ञा, तपती धुप में नंगे पाव चलने की सुविचारित संकल्प लिया है तथा इनसे तनिक भी विचलित नहीं होते हुये सेवाभाव का अपमान और कार्यरता से किया गया आत्मसमर्पण नहीं किया-वह कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति हैं कुमार उत्पल। ये एक ऐसे पारिवारीक पृष्ठभूमि से आये हैं जिसमें अद्‌भूत समाज सेवा और शिक्षा दोनों का मिलन बिन्दु है। इस वंशानुगत गुण को नयी तकनीकी परिवेश में इन्होंने नई

दिशायें प्रदान की है। साहित्य से इनका भावनात्मक और रगात्मक लगाव रहा है खासकर हिन्दी साहित्य से। इसी स्वस्फूर्त गुण के कारण इन्होंने हिन्दी में ६ काव्य-ग्रंथ की रचना की है। जिसका नाम "काव्य शान्ति, कवच रक्षामः, काव्यांजलि, प्रेरणा श्रोत, स्नेहांचल, अमृतांजल" है। इन्होंने तकनीकी विषयों को हिन्दी भाषी विद्यार्थियों हेतु कई तकनीकी किताबों को हिन्दी में भी लिखे हैं जिसमें कंप्यूटर पर लिखी किताब "पेजमेकर" बहुत लोकप्रिय साबित हुई है। ये बहुभाषाविद् हैं जिसमें वज्जिका, भोजपुरी, मैथिली, संस्कृत, अंग्रेजी, जर्मन, इत्यादि प्रमुख है। इनकी प्रखर लेखनी क्षमता के कारण ही इन्होंने अब तक २२ कम्प्यूटर की किताबें लिख चुके हैं जो बाजार में उपलब्ध है। इसमें अधिकतर प्रकाशित भी हो चुकी है जिसमें अग्रलिखित प्रमुख है- कम्प्यूटर फण्डामेंटल, एमएस डॉस, एमएस विण्डोज, एमएस वर्ड, एमएस पावर प्वायंट, एमएस ऐक्सेस, एमएस ऐक्सेल, इंटरनेट, एच.टी.एम.एल., डी.एच.टी.एम.एल., पेजमेकर, कोरल ड्रा, फोटोशॉप, सी, सी यूनिक्स, भी.वी. स्क्रिप्ट, फ्लैश, फ्रंटपेज, जावा, इत्यादि। ये सभी किताबें सरल और स्पष्ट भाषा और क्रमबद्ध कार्यप्रणाली में वर्णित है जिसे एक सामान्य आदमी भी पढ़कर समझ सकता है। सूचना तकनीकी (इण्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी) और प्रबंधन को जनसामान्य तक पहुँचाने हेतु इन्होंने "आईटी सूचना ब्यूरो और कम्प्यूटर हलचल" पत्रिका का संपादन कार्य कर रहे हैं जो निःशुल्क वितरण किया जाता है। इन्होंने नवीन तकनीकी विषयों यथा टेलिमेडिसीन, कॉल सेंटर, हार्डवेयर, ई-गवर्नेंश, ई-कॉमर्स, मल्टीमीडिया, इत्यादि पर अनेक अखबार और पत्रिका में कई वर्षो से लगातार लिख रहे हैं। पूरे बिहार को सूचना तकनीकी से अवगत कराने हेतु इन्होंने अभी तक ५० से अधिक बिहार के प्रमुख स्थलों पर सेमिनार, कार्यशाला, संगोष्ठि, इत्यादि में भाग ले चुके हैं। प्रत्येक दिन आठ घंटो से अधिक विद्यार्थी को कम्प्यूटर की गुढ़ को सीखाते हैं। विद्यार्थी इनकी वाक्‌पटूता के कायल रहते हैं। इन्होंने अभी तक दस हजार से अधिक छात्र-छात्राओं, गृहणियों, पुलिस कर्मचारियों, सचिवालय कर्मचारियों, बैंक कर्मचारियों, रेलवे कर्मचारियों, डाक्टरों, इंजीनियरों, वकीलों, नेतागणों (मुख्यमंत्री के स्तर तक), सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के सामान्य कर्मचारियों से लेकर प्रशासनिक सेवा के अधिकारी गणों तक को अनेक वर्षो से प्रशिक्षण दे रहे हैं। ये केवल पटना में ही नहीं पूरे बिहार और झारखंड में घुम-घुम कर प्रशिक्षण देते रहे हैं। पूरे बिहार में कम्प्यूटर साक्षरता को फैलाने में हर तरह से उपायों का उपयोग किया है जिसमें अब लोगों को तकनीकी पहलुओं की जानकारी होने लगी है। इन्होंने पर्यावरण प्रदूषण के प्रति लोगों के रूझान पैदा करने हेतु कविताओं, वृक्षारोपण, सेमिनार इत्यादि के माध्यम से पूरे बिहार में किया है। ये १३ संस्थानो के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं जिसमें १०० कम्प्यूटर केन्द्रों का संगठन बिहार एसोसियेशन ऑफ कम्प्यूटर ट्रेनर्स (वैक्ट) के सचिव तथा सर्व कम्प्यूटर और प्रबंधन शिक्षा के वर्तमान सी. ई. ओ. हैं।

राष्ट्रीय सहारा

पटना, ११ दिसम्बर, २००७

उत्पल को कम्प्यूटर शिखर सम्मान

पटना । कम्प्यूटर साक्षरता पखवाड़ा के अवसर पर सर्व कम्प्यूटर प्रबंधन और शिक्षा के सीईओ कुमार उत्पल का वर्ष २००७-०८ के लिए **'कम्प्यूटर शिखर सम्मान'** प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान कम्प्यूटर के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिया गया है।

प्रभात खबर

पटना, ०९ दिसम्बर, २००७

कुमार उत्पल को कम्प्यूटर शिखर सम्मान

पटना । कम्प्यूटर साक्षरता पखवाड़ा के अवसर पर कम्प्यूटर शिखर सम्मान सर्व कम्प्यूटर प्रबंधन और शिक्षा के सीईओ कुमार उत्पल का वर्ष २००७-०८ के लिए दिया गया। यह सम्मान ओम साईं वेलफेयर सोसाईटी के तत्वावधान में कम्प्यूटर के क्षेत्र कार्य करनेवाले व्यक्ति को दिया जाता है। ओम साईं वेलफेयर सोसाइटी एक शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन है, जिसके अंतर्गत कई तकनीकी सह शैक्षणिक कालेज और पुस्तकालय चल रहे हैं। इस अवसर पर सोसाइटी के सचिव प्रभा ठाकुर ने कहा कि कुमार उत्पल अब तक २१ कम्प्यूटर किताब, दो कम्प्यूटर पत्रिका, ६ कविता संग्रह, अनेक लेख लिख चुके हैं, उन्होंने १० हजार विद्यार्थियों, डॉक्टरों, वकीलों, हाईकोर्ट कर्मचारियों, जजों, नेताओं, प्रेस प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों आदि को कम्प्यूटर पढ़ाया है। वे १३ संगठनों के उच्च पदों को सुशोभित कर रहे हैं। वहीं के.के. सर ने कहा कि कुमार उत्पल के व्यक्तित्व और कृतित्व को हरेक संगठन को सम्मान करना चाहिए।

आज

पूर्णिया, ७ सितम्बर २००७

"कुमार उत्पल सम्मानित"

पूर्णिया, शैलेन्द्र कुमार आलोक ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक और शिक्षक दिवस पर खुशियाँ तो दूसरी ओर आज ही के दिन मदर टेरेसा की पूण्य तिथि का गमगीन माहौल है। उन्होने कहा कि उनके त्याग एवं तपस्या के कारण सभी इन्हें याद करते रहेंगे। इस अवसर पर **कुमार उत्पल को सम्मानित किया गया**। उपस्थिति लोगों में एकेडमी प्रधान रमेन्द्र झा ने भी अपने विचार व्यक्ति किये।

आज

पटना मंगलवार, २४ अगस्त, २००४

कुमार उत्पल को "आईटी चूरांत" सम्मान

पटना। कुमार उत्पल को **बिहार में कम्प्यूटर साक्षरता बढ़ाने के लिये किये गये काम हेतु "आई टी. चूरांत" अवार्ड से सम्मानित किया** है। ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी ने कुमार उत्पल द्वारा आई टी. पर लिखी बीस किताब के विषय में विशद चर्चा की। राजीव कुमार ने कहा कि कुमार उत्पल ने पर्यावरण के सुधार हेतु वृक्षारोपण, सेमिनार और संगोष्ठि कर बिहारवासियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता पैदा कर स्वच्छ बिहार बनाने का अहम प्रयास किया है । इससे पूर्व इनकी इसी प्रतिभा के कारण **"आईटी रत्न" अवार्ड** मिल चुका है।

दैनिक जागरण

पटना, 13 अप्रैल 2003

आई.टी.रत्न से सम्मानित

पटना । संवाद सूत्र : महर्षि पर्यावरण एवं आरोग्य मिशन संस्थान ने **कुमार उत्पल को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए आई.टी.रत्न से सम्मानित किया** है।कुमार उत्पल का बिहार में कम्प्यूटर शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने में विशेष योगदान है । संस्था द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कुमार उत्पल द्वारा बिहार में कम्प्यूटर शिक्षा के प्रचार प्रसार में किये गये प्रयासों की चर्चा संस्था के सचिव अनिल कुमार ने की । श्री कुमार ने कहा कि श्री उत्पल द्वारा लिखित पुस्तकों सूचना प्रौद्योगिकी के छात्रों का मार्ग दर्शन कर रही है ।